

भारत सरकार  
शिक्षा मंत्रालय  
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या-137  
उत्तर देने की तारीख-21/07/2025

पंजाब के स्कूलों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का कार्यान्वयन

†137. श्री चरनजीत सिंह चन्नी:

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 देश के स्कूलों में पूरी तरह से लागू हो गई है;
- (ख) यदि हाँ, तो विभिन्न राज्यों में इसके कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति का व्यौरा क्या है;
- (ग) पंजाब के स्कूलों, विशेषकर ग्रामीण और सरकारी संस्थानों में एनईपी, 2020 के कार्यान्वयन के लिए कौन-कौन से प्रमुख उपाय किए गए हैं; और
- (घ) एनईपी 2020 के तहत पंजाब को आवंटित निधि, शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम में किए गए बदलाव और डिजिटल बुनियादी ढाँचा सहायता का व्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जयन्त चौधरी)

(क) और (ख): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) की घोषणा दिनांक 29 जुलाई 2020 को की गई थी और यह इसके कार्यान्वयन के लिए विभिन्न समय-सीमाओं के साथ-साथ सिद्धांत और कार्यप्रणाली भी प्रदान करती है। इस नीति में वर्ष 2030-40 के दशक में पूरी नीति के क्रियान्वयन की भी परिकल्पना की गई है, जिसके पश्चात एक और व्यापक समीक्षा की जाएगी। शिक्षा संविधान की समर्ती सूची में है और निर्धारित मानदंडों और मानकों का अनुपालन करते हुए एनईपी 2020 के कार्यान्वयन का प्रमुख उत्तरदायितव राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों के क्षेत्राधिकार में आता है।

एनईपी 2020 की घोषणा के पश्चात स्कूल शिक्षा में कई परिवर्तनकारी बदलाव हुए हैं जैसे कि समग्र शिक्षा की केंद्र प्रायोजित योजना को एनईपी की सिफारिश के अनुरूप बनाना; कक्षा 2 के अंत तक बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान सुनिश्चित करने के लिए समझा के साथ पढ़ने और संख्याज्ञान में दक्षता के लिए राष्ट्रीय पहल (निपुण भारत); तीन महीने के खेल-आधारित स्कूल तैयारी मॉड्यूल के लिए विद्या-प्रवेश दिशानिर्देश; शिक्षा के लिए सुसंगत बहु-पद्धति पहुंच को सक्षम बनाने के लिए डिजिटल/ऑनलाइन/ऑन-एयर शिक्षा से संबंधित सभी प्रयासों को एकीकृत करने के लिए पीएम ई-विद्या; ई-बुक्स और ई-कंटेंट वाले वन नेशन वन डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में दीक्षा (ज्ञान साझाकरण हेतु डिजिटल अवसरंचना); 3 से 8 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए खेल-आधारित शिक्षण सामग्री हेतु बुनियादी चरण की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ-एफएस) और जादूई पिटारा का शुभारंभ;

माध्यमिक स्तर तक समस्त शैक्षिक यात्रा के समाधान के स्कूल शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा फ्रेमवर्क; परख (समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण); निष्ठा (स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल) प्रारंभिक, माध्यमिक, बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान (एफएलएन) और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई); विद्या समीक्षा केंद्र; एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम; शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (एनपीएसटी); शिक्षा पारितंत्र को सक्रिय और उत्प्रेरित करने के लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय डिजिटल बुनियादी अवसरंचना के निर्माण के लिए राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षा वास्तुकला (एनडीईएआर), 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी निरक्षरों को लक्षित करते हुए "नव भारत साक्षरता कार्यक्रम या उल्लास" योजना का कार्यान्वयन, आदि।

इसके अतिरिक्त, प्रधान मंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) योजना 14,500 से अधिक चयनित स्कूलों को आदर्श स्कूलों के रूप में तैयार करने के उद्देश्य हेतु शुरू की गई है, जो एनईपी 2020 की सभी पहलों को प्रदर्शित करके पड़ोस के अन्य स्कूलों को नेतृत्व प्रदान करते हैं। ये स्कूल एनईपी 2020 द्वारा निर्देशित सभी घटकों को प्रतिबिंबित करते हैं।

(ग) और (घ): पंजाब राज्य द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, एनईपी 2020 के अनुरूप निम्नलिखित पहलों को समग्र शिक्षा और पीएम श्री की केंद्र प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत सक्रिय रूप से कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसमें स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार से निरंतर वित्तीय और तकनीकी सहायता प्राप्त हो रही है:

1. ग्रामीण क्षेत्रों सहित पंजाब के सभी प्राथमिक विद्यालयों में पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं का कार्यान्वयन।
2. बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान: निपुण भारत मिशन का कार्यान्वयन कक्षा 2 तक बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करने पर केंद्रित है। पंजाब के सभी प्राथमिक विद्यालयों में प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।
3. बहुभाषावाद और मातृभाषा शिक्षण: प्रारंभिक कक्षाओं में मातृभाषा/पंजाबी में शिक्षण पहले से ही प्रचलित है। बहुभाषावाद के संदर्भ में, राज्य द्वारा निम्नलिखित पहले पहले ही की जा चुकी हैं:
  - संस्कृत, फ्रेंच, जर्मन और उर्दू भाषाओं को भी वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर वैकल्पिक विषय के रूप में शुरू किया गया है।
  - अधिकांशतः कक्षा में निर्देश द्विभाषी रूप में दिए जाते हैं और छात्रों के पास पंजाबी, अंग्रेजी और हिंदी में से किसी एक माध्यम का चयन करने का विकल्प होता है।
  - क्षेत्रीय भाषा की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए हिंदी, पंजाबी और अंग्रेजी में शिक्षण-अधिगम सामग्री और संसाधन तैयार और प्रसारित किए गए हैं।
  - प्रशिक्षण मॉड्यूल और डिजिटल सामग्री का इन भाषाओं में भी अनुवाद किया गया है।
4. शिक्षक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण: एनईपी लक्ष्यों के अनुरूप निष्ठा प्रशिक्षण मॉड्यूल के तहत शिक्षक व्यावसायिक विकास किया जा रहा है।
5. डिजिटल और तकनीक-आधारित शिक्षा: राज्य ने दीक्षा जैसी पहल को अपनाया है। राज्य ने पीएम ई-विद्या के तहत 5 टीवी चैनलों को भी अनुमोदित किया है।

6. मूल्यांकन सुधार: अधिगम परिणाम-आधारित मूल्यांकन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। पंजाब ने एनएएस जैसे परख-आधारित राष्ट्रीय मूल्यांकन में भाग लिया है और एनईपी के निर्देशों के अनुरूप दक्षता-आधारित मूल्यांकन को शामिल कर रहा है।
7. पंजाब के 347 स्कूलों में पीएम श्री योजना का कार्यान्वयन।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए समग्र शिक्षा और पीएम श्री योजना के अंतर्गत पंजाब राज्य को आवंटित निधियों का व्यौरा निम्नानुसार है:

(रुपए लाख में)

समग्र शिक्षा			पीएम श्री		
कुल बजट	शिक्षकों का प्रशिक्षण	डिजिटल अवसरंचना सहायता	कुल बजट	शिक्षकों का प्रशिक्षण	डिजिटल अवसरंचना सहायता
135071.94	818.48	6673.2	30590.64	69	2007.5

\*\*\*\*\*